>

Title: Problems being faced by flood affected people of Bihar.

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव (मधेपुरा) : उपाध्यक्ष महोदय, 18 अगस्त को एक बहुत बड़ी दुर्घटना घटी। नेपाल और भारत के बार्डर पर, कुशहा बांध बहुत ही भंयकर रूप से एक विनाशकारी और प्रलयकारी बाढ़ को लेकर आया। कुशहा बांध कोई प्राकृतिक आपदा से नहीं टूटा, बल्कि सरकार की लापरवाही से टूटा। वीरपुर में सरकार के जो पदाधिकारी थे, वे लगातार बिहार सरकार के मंत्रालय को और वहां के कमिश्नर को यह खबर देते रहे कि बांध टूट जाएगा। इसका स्तर दो टूट चुका है, कुछ स्तर पहले टूटा, दूसरा स्तर बाद में टूटा, फिर तीसरा स्तर, 18 अगस्त को पूरा बांध टूट गया। बार-बार खबर देने के बावजूद भी सरकार ने उस पर कोई ध्यान नहीं दिया और बांध टूट गया। बांध ऐसा टूटा कि हिंदुस्तान में आज तक उतनी बड़ी विभीषिका, उतनी बड़ी प्रलयकारी, विनाशकारी स्थिति कभी पहले उत्पन्न नहीं हुयी।[p8]

आज भी पांच हजार से दस हजार के बीच लोग लापता हैं। चालीस लाख लोग प्रभावित हुए हैं। वहां प्रधान मंत्री जी गए, पूरी सरकार गई। पूरा देश, पूरा विश्व उस विपदा को लेकर एक था। केन्द्र सरकार ने वहां पैसे दिए। वहां की सरकार ने लोगों के लिए मेगा शिविर बनाया। स्टेट से जो भी पैसा गया, वह शहर के शिविर में जाकर रुक गया, गांव में एक पैसा भी नहीं जा सका। वहां की सांसद रंजीत रंजन जी ने प्रधान मंत्री जी से न्यायिक जांच की मांग की है कि एक मंत्री और व्यक्ति की लापरवाही के कारण यह बांध टूटा है जिसके कारण पांच हजार लोगों की हत्या हुई है।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप बताइए कि क्या चाहते हैं।

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : मैं वही बता रहा हूं कि वहां की स्थिति क्या है। वहां की स्थिति यह है कि तीन महीने हो गए। एक व्यक्ति को साढ़े बाइस सौ रुपये और एक सौ किलो अनाज दिया जाना था। सरकार ने साढ़े बाइस सौ रुपये की एकमात्र किश्त ही दी। दूसरी किश्त देनी थी लेकिन तीन महीने हो गए और अभी तक सरकार ने दूसरी किश्त नहीं दी।

दूसरा, पुनर्वास के लिए जो सर्वे होना था, वहां की सरकार के पदाधिकारी उस सर्वे में जिस व्यक्ति को पैसे देते हैं, उसे कहा जाता है कि यह प्रभावित है। जो गरीब, मजदूर किसान और नीचे वर्ग के लोग हैं, ...(व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपको जानकारी के लिए बताना चाहता हूं। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : मुझे जानकारी न देकर आप क्या चाहते हैं, यह बताइये।

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : मैं वही कह रहा हूं। मैं बताना चाहता हूं कि वहां शिविर में जो लोग रह रहे थे, उनके लिए पुनर्वास की व्यवस्था नहीं हुई और उस सरकार ने शिविर के सारे लोगों को गांव में भेज दिया। बच्चों के बदन पर कपड़े नहीं हैं, खाने के लिए घर में अनाज नहीं है। लोग भूखे मर रहे हैं। यह आप पता कर लें। महोदय, एक संसदीय जांच कमेटी बना दी जाये या न्यायिक जांच करवा दी जाये कि बांध कैसे टूटा। सरकार ने पहले इस बारे में बोला भी था। इसके साथ ही मैं यह भी जानना चाहता हूं कि अभी तक दूसरी किश्त क्यों नहीं दी गयी? विदेश मंत्री श्री प्रणव मुखर्जी नेपाल गये थे और देखकर आये हैं। वहां जो बांध बन रहा है, वह छः-सात महीने में भी पूरा नहीं हो पायेगा। आप जानते हैं कि मार्च और अप्रैल में बरसात आ जायेगी, तो पुनः इतनी बड़ी प्रलय आयेगी कि उसे फिर कोई नहीं रोक पायेगा। पूर्णिया, मधेपुरा, सहरसा, सुपौल, अररिया, कटिहार आदि पूरे जिले इससे प्रभावित हैं। ...(व्यवधान) मैं आपसे संरक्षण चाहता हूं। केन्द्र सरकार ने जो पैसा भेजा है, कम से कम संसदीय जांच कमेटी द्वारा उसकी मौनीटरिंग करवा दी जाये। ...(व्यवधान) जो बांध बन रहा है, उसे तेजी से बनवाया जाये। यदि दो महीने के अंदर वह बांध न बना, तो वहां इससे भी बड़ी विनाशकारी स्थिति उत्पन्न हो जायेगी। गांवों में पुनर्वास व्यवस्था की जो बात है, केन्द्र सरकार खुद जाकर देखे। ...(व्यवधान) केन्द्र सरकार पुनर्वास की व्यवस्था अपनी निगरानी में करे। वहां जो किसान प्रभावित हुए हैं, जो आर्थिक रूप से सम्पन्न नहीं हैं, जो बर्बाद हो गये हैं, उनके लिए आर्थिक रूप से क्षतिपूर्ति योजना लागू करने के बारे में सोचा जाये। वहां के जो भी ऋण हैं, चाहे वे किसान के ऋण हैं, बिजली के ऋण हैं, ...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Now nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

MR. DEPUTY-SPEAKER: After this, nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : उपाध्यक्ष महोदय, वहां बड़ी विनाशकारी स्थिति है, लेकिन उस पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आपका प्वाइंट आ गया है।

â€¦(व्यवधान)[N9]

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपसे संरक्षण चाहता हूं। आप मंत्री जी से हमें आश्वासन दिलवा दीजिए। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : मैं उन्हें इसके लिए कम्पेल नहीं कर सकता।

â€¦(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I cannot compel the Government to respond.

...(*Interruptions*)